किसान को अपने काम आने वाली कारखाने से बनी हुई चीजें महंगे दाम पर खरीदनी पड़ती हैं। यही वजह है कि उनकी दशा बिगड़ रही है।

इसी तरह से पावर का देखें। शहरों में एयर-कंडीशनिंग के लिए, रंगीन टी० वी० के लिए बिजली मिल रही है, लेकिन खेती के लिए जिस पर जीविका निर्भर करती है, किसान को बिजली नहीं मिलती। खेती के लिए बिजली अधिक जरूरी है। बहुत ज्यादा पानी देने से भी उपज नहीं बढ़ती। कब और कितना पानी देना है यह किसान अच्छी तरह जानता है। उसको जरूरत के वक्त बिजली आसानी से मिल सके, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए।

किसान जो पैदा करता है उसको रखने के लिए शहरों में बने गोदामों तक लाना पड़ता है। लेकिन उसकी देखभाल ठीक से नहीं होती। मेरा सुझाव है कि पंचायत और ब्लाक लेविल पर ही गोदाम होने चाहिए जहां किसान अपना माल रख सके। चाहे अनाज हो, फल फूल हो, मछली हो, या सब्जी हो, यह माल किसान ठंडे स्थानों में अपनी इच्छानुसार रखे और निकाल सके, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। इससे किसान को काफ़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में रोज सड़के बनती हैं और तोड़ी जाती हैं। इस रुपये को गांवों में सड़कें बनाने के लिए खर्च किया जाय जहां अभी बैल गाड़ी के लिए भी सड़क नहीं है। वहां अगर सड़कें हो जाती हैं तो किसान अपना उत्पादन दूर दूर तक ले जा सकता है। गांवों में रहने वालों को भी उन्नति करने का अधिकार है, इसलिए उनके लिए भी सड़के बननी चाहियें। गांव में जिसके पास पैसा है वह शहर में ही आता है इसलिए कि अगर शिक्षा न हो तो नौकरी नहीं मिलेगी। इसलिए किसानों के लिए ...

सभापति महोदय : आप अपना भाषण सोमवार को करेंगे।

MR. CHAIRMAN: It is now 3.30 P.M. So, we will take up Private Members' Business. Shri T. R. Shamanna to move the motion.

15.30 hrs.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

FORTY-FIRST REPORT

SHRI T. R. SHAMANNA (Bangalore South: Sir, I beg to move.

"That this House do agree with the Forty-First Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 15th April, 1982."

MR. CHAIRMAN : The question is:

"That this House do agree with the Forty-First Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 15th April, 1982."

The motion was adopted